Literacy for a Billion

Movie: Heer Ranjha 1970
Year: 1970

Song: Yeh Duniya Yeh Mehfil
Lyricist: Kaifi Azmi

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

किसको सुनाऊँ हाल
दिले बेक़रार का
बुझता हुआ चराग़ हूँ
अपने मज़ार का

ए काश भूल जाऊँ
मगर भूलता नहीं
किस धूम से उठा था
जनाज़ा बहार का

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

अपना पता मिले न
ख़बर यार की मिले
दुश्मन को भी न ऐसी
सज़ा प्यार की मिले
उनको खुदा मिले
है खुदा की जिन्हें तलाश
मुझको बस इक झलक
मेरे दिलदार की मिले

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

सहरा में आके भी
मुझको ठिकाना ना मिला
ग़म को भुलाने का
कोई बहाना ना मिला

दिल तरसे जिस में प्यार को
क्या समझूँ उस संसार को
इक जीती बाज़ी हार के
मैं ढूँढूँ बिछड़े यार को

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

दूर निगाहों से
आँसू बहाता है कोई

कैसे ना जाऊँ मैं
मुझको बुलाता है कोई

या टूटे दिल को जोड़ दो
या सारे बंधन तोड़ दो
ए परबत रस्ता दे मुझे
ए काँटों दामन छोड़ दो

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं
ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

ये दुनिया ये महफ़िल
मेरे काम की नहीं
मेरे काम की नहीं

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*